तू जाने या मैं जानू - भजन

तू जाने या मैं जानू - भजन
क्या पाया है दर तेरे आकेतू जाने या मैं जानू
ममलता है क्या तुमको ररझा कर तू जाने या मैं जानू

सब चाहते हैं जीत जहाँ में ककसको पसन् यहाँ हारना
क्या जीता हूाँ खुद को हरा कर तू जाने या मैं जानू
ममलता है क्या तुमको ररझा कर तू जाने या मैं जानू

अपनी हस्ती कर दी समर्पित तेरे नाम की ज्योत में
ननखरा हूाँ मैं खुद को बुझा कर तू जाने या मैं जानू
ममलता है क्या तुमको ररझा कर तू जाने या मैं जानू

प्रेम समपिण की है पूाँजी तुझपे लुटा दी सांवरे
प्रेम समपिण की सब पूाँजी तुझपे लुटा दी सांवरे
ककतना धनी हूाँ सबकुछ लुटा के तू जाने या मैं जानू
ममलता है क्या तुमको ररझा कर तू जाने या मैं जानू

सोनू करे बस चचाि तुम्हारी और ना गुण कोई ख़ास है
काबबल हुआ हूाँ गुण तेरे गाकर तू जाने या मैं जानू
ममलता है क्या तुमको ररझा कर तू जाने या मैं जानू

Tu Jaane Ya Main Jaanu-Bhajan
Kya Paya Hai Dar Tere Aake Tu Jane Yam Ai Janu
Milta Hai Kya Tumko Rijha Kar Tu Jane Ya Mai Janu

Sab Chahate Hai Jeet Jaha Mein Kisko Pasand Yaha Haarna
Kya Jeeta Hu Khud Ko Haara Kar Tu Jane Ya Mai Janu
Milta Hai Kya Tumko Rijha Kar Tu Jane Ya Mai Janu

Apni Hasti Kar Di Samarpit Tere Naam Ki Jyot Mein
Nikhra Hu Mai Khud Ko Bujha Kar Tu Jane Ya Mai Janu
Milta Hai Kya Tumko Rijha Kar Tu Jane Ya Mai Janu

Prem Samarpan Ki Hai Punji Tujhpe Luta Di Sanware
Prem Samarpan Ki Hai Punji Tujhpe Luta Di Sanware
Kitna Dhani Hu Sabkuch Luta Ke Tu Jane Ya Mai Janu
Milta Hai Kya Tumko Rijha Kar Tu Jane Ya Mai Janu

Sonu Kare Bas Charcha Tumhari Aur Na Gun Koi Khas Hai
Kabil Hua Hu Gun Tere Gaakar Tu Jane Ya Mai Jaanu
Milta Hai Kya Tumko Rijha Kar Tu Jane Ya Mai Janu